मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

EHD-02

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

(बी. डी. पी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2021

(ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी)

ई.एच.डी.-02 : हिन्दी काव्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पद्यांशों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 3 × 12 = 36

(क) कहा मानसर चहा सो पाई।
पारस रूप इहाँ लगि आई।
भा निरमर तेन्ह पायन परसे।
पावा रूप रूप के दरसें।।

मलै समीर बास तन आई।
भा सीतल गै तपन बुझाई।
न जनों कौनु पौन लै आवा।
पुन्नि दसा भै पाप गँवावा।।

(ख) झलकै अति सुन्दर आनन गौर,
छके दृग राजत काननि छ्वै।
हँसि बोलन में छवि फूलन की वरषा,
उर ऊपर जाति है ह्वै।
लट लोल कपोल कलोल करै,
कल-कंठ बनी जलजावलि द्वै।
अंग अंग तरंग उठै दुति की,
परिहे मनौ रूप अबै धर च्वै।।

(ग) बीती विभावरी जाग री।
अम्बर पनघट में डुबो रही—
तारा-घट उषा नागरी।
खग-कुल कुलकुल सा बोल रहा
किसलय का अंचल डोल रहा
लो यह लतिका भी भर लाई
मधु मुकुल नवल रस गागरी।

(घ) यह धरती है उस किसान की
जो बैलों के कन्धों पर
बरसात घाम में,
जुआ भाग्य का रख देता है
खून चाटती हुई वायु में
पैनी कसी खेत के भीतर
दूर कलेजे तक ले जाकर
जोत डालता है मिट्टी को
पाँस डालकर
और बीज बो देता है।

(ङ) व्यक्ति का है धर्म तप, करुणा, क्षमा,
व्यक्ति की शोभा विनय भी, त्याग भी,
किन्तु, उठता प्रश्न जब समुदाय का,
भूलना पड़ता हमें तप–त्याग को।

2. 'कुरुक्षेत्र' की कथावस्तु की समीक्षा कीजिए। 16

3. छायावादी काव्य में निराला का स्थान निर्धारित कीजिए। 16

4. भारतेन्दुयुगीन काव्य की सामान्य विशेषताएँ बताइए। 16

5. मुक्तिबोध के काव्य का महत्व प्रतिपादित कीजिए। 16

6. प्रयोगवाद और नयी कविता का तुलनात्मक विवेचन कीजिए। 16

7. रीतिकाव्य के सन्दर्भ में देव और पद्माकर के काव्य का महत्व बताइए। 16

8. निर्गुण भक्ति काव्य की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 16

9. भक्ति काव्य के सन्दर्भ में मीराबाई का महत्व निर्धारित कीजिए। 16

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $8 \times 2 = 16$

(क) आदिकाव्य

(ख) कबीर की प्रासंगिकता

(ग) मैथिलीशरण गुप्त के महाकाव्य

(घ) नरेश मेहता

(ङ) 'कुरुक्षेत्र' की भाषा